समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

13 गुना से ज्यादा मुनाफा ! टाटा कैपिटल के IPO से भरने जा रही है IFC की झोली

Publisher

Published on 17 Sep 2025

भारतीय शेयर बाजार में इस साल का सबसे बड़ा **इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO)** आने वाला है। टाटा ग्रुप की वित्तीय सेवाओं से जुड़ी कंपनी **टाटा कैपिटल** अगले महीने अपना आईपीओ लाने की तैयारी में है। खास बात यह है कि इस IPO से सबसे ज्यादा फायदा **इंटरनेशनल फाइनेंसं कॉरपोरेशन (IFC)** को होने वाला है, जो अपनी आधी हिस्सेदारी बेचकर **13 गुना से ज्यादा रिटर्न** कमाने जा रहा है।

टाटा कैपिटल का IPO क्यों खास है ?

- टाटा कैपिटल, टाटा ग्रुप की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (NBFC) है।
- बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यह IPO इस साल का **सबसे बड़ा इश्यू** साबित हो सकता है।
- कंपनी के पास रिटेल लोन, इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस, SME लोन, वेल्थ मैनेजमेंट और इंश्योरेंस ब्रोकिंग जैसे कई सेगमेंट में मजबूत पकड़ है।
- मजबूत ब्रांड वैल्यू और निवेशकों का भरोसा इस इश्यू को आकर्षक बनाता है।

IFC का बड़ा दांव और मुनाफा

- IFC, जो विश्व बैंक समूह का हिस्सा है, ने टाटा कैपिटल में साल 2009 में निवेश किया था।
- उस समय IFC ने लगभग **₹1,000 करोड़** का निवेश किया था।
- अब IPO में IFC अपनी लगभग **आधी हिस्सेदारी (50%)** बेचने की योजना बना रहा है।
- बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, IFC को इस डील से अपने निवेश पर **13 गुना से ज्यादा रिटर्न** मिलेगा। यानी IFC की

झोली में मोटा मुनाफा आने वाला है।

IPO से जुटाई जाएगी कितनी रकम?

- शुरुआती अनुमान के मुताबिक, टाटा कैपिटल के IPO से बाजार से **₹20,000–₹25,000 करोड़** जुटाए जा सकते हैं।
- यह इश्यू पूरी तरह से **ऑफर फॉर सेल (OFS)** के जरिए लाया जाएगा, यानी इसमें कंपनी नई शेयर पूंजी जारी नहीं करेगी बल्कि मौजूदा निवेशक ही अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे।
- IPO के बाद कंपनी का वैल्यूएशन लगभग **₹2 लाख करोड़** तक पहुंच सकता है।

निवेशकों के लिए क्या है अवसर?

- **लॉन्ग टर्म ग्रोथ :** टाटा ग्रुप की ब्रांड वैल्यू और NBFC सेक्टर में कंपनी की मजबूत पकड़ इसे लॉन्ग टर्म निवेश के लिए बेहतर बना सकती है।
- **डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो :** टाटा कैपिटल का कारोबार कई क्षेत्रों में फैला है, जिससे रिस्क बैलेंस्ड है।
- **लार्ज कैप पोटेंशियल :** IPO के बाद कंपनी बाजार में एक बड़ी NBFC के रूप में और भी मजबूत स्थिति में आ सकती है।

बाजार विशेषज्ञों की राय

- **ICICI सिक्योरिटीज** के एनालिस्ट का कहना है:
“[illegible] IPO [illegible]”
- **मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज** के अनुसार:
“NBFC [illegible] RBI [illegible] IPO [illegible]”

निवेशकों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

1. **OFS आधारित इश्यू :** चूंकि यह IPO पूरी तरह से OFS है, इसलिए कंपनी को नई पूंजी नहीं मिलेगी।
2. **वैल्यूएशन का स्तर :** अगर IPO का प्राइस बैंड बहुत ऊंचा रखा गया तो रिटेल निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ सकता है।
3. **मार्केट वोलैटिलिटी :** फेड रिजर्व और घरेलू ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव IPO की सफलता को प्रभावित कर सकता है।

पिछले बड़े IPO से तुलना

हाल ही में **LIC का IPO** भारत का सबसे बड़ा इश्यू रहा था, जिससे सरकार ने लगभग ₹21,000 करोड़ जुटाए थे। टाटा कैपिटल का IPO इससे भी बड़ा होने की संभावना जताई जा रही है। निवेशकों का कहना है कि यह IPO भारत के कैपिटल मार्केट में **नई ऊंचाई** ला सकता है।

टाटा कैपिटल का IPO भारतीय शेयर बाजार के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित हो सकता है। IFC अपनी हिस्सेदारी बेचकर **13 गुना से ज्यादा रिटर्न** कमाने जा रहा है, जो इस इश्यू की सबसे बड़ी हाइलाइट है।

निवेशकों के लिए यह IPO न सिर्फ **लिस्टिंग गेन** बल्कि **लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन** का भी अवसर ला सकता है। हालांकि, वैल्यूएशन और बाजार की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही निवेश का फैसला करना समझदारी होगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.